*अध्ययन सामग्री

विषय- हिन्दी

स्नातक प्रतिष्ठा(खण्ड-3)

प्रश्न पत्र- षष्ठ

सन्देह अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण

पदनाम- डॉ स्मिता जैन

एसोसिएट प्रोफेसर

हिंदी विभाग

एच डी जैन कॉलेज, आरा*

12:46

Scanned with CamScanner

(7) संदेह अलंकार

उपमेय में उपमान का संशय सन्देह अलंकार है।

"इन दुखों के दुनगों पर
किसने मोती बिखराये?
या तारे नील गगन के
स्वच्छन्द विचरने आये?
या बँधी दुई है आरि की
जिसके कर में हथकड़ियाँ
उस पराधीन जननी की
बिखरीं आँसू की लड़ियाँ।"

यहाँ प्रस्तुत ओस कण में मोती, तारे और आँसू का सन्देह है अतः सन्देह अलंकार है।

"चंदकला, कै चंचला, कै चंपे की माल,
कै चामीकर की छरी, सुछवि भरी कै बाल।"

यहाँ बाल (नायिका) के चन्द्रकला, बिजली, चम्पा की माला और सोने की छड़ी का सन्देह है।